UNIVERSITY OF KOTA

KOTA

SCHEME OF EXAMINATION

AND

COURSES OF STUDY

FACULTY OF ARTS

पाठ्यक्रम

B.A.

स्नातक

राजस्थानी

बी.ए. सैमेस्टर प्रथम एवं द्वितीय

B.A. SEMESTER I & II

कोटा विश्वविद्यालय, कोटा

B.A. Rajasthani
Semester I & II

SEM	Code	Course Code	Papers	Lecture Per week	Total Lecture	Credit
I	DCC	RAJ-5 – 01	**आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य** (i) कथा साहित्य (ii) निबंध साहित्य एवं अन्य विधाएं **कौशल विकास** (i) अनुवाद कौशल हिन्दी से राजस्थानी, राजस्थानी से हिन्दी (ii) पत्र वाचन	06	90	06
II	DCC	RAJ-5 – 02	**आधुनिक राजस्थानी पद्य साहित्य** (i) स्वतंत्रता पूर्व काव्य (ii) स्वातंत्र्योत्तर काव्य **कौशल विकास** (i) राजस्थानी– अलंकार परिचय (ii) शब्द–शक्ति (iii) तत्सम–तद्भव शब्द	06	90	06

Examination Scheme

Each paper contains 150 marks. For regular and non collegiates theory paper will be of 100 marks. For regular students internal evaluation of marks 50 are divided into 20 marks for assignment, 20 marks for written test and 10 marks for viva/presentation.

For non collegiate students internal evaluation marks 50 are divided into 40 marks for assignment and 10 marks for viva/presentation.

Duration : 3 hours Question Paper Max. Marks – 100

Note : The question paper will contain two sections as under –

The question paper consists of section A and section B. Section A for 20 marks and section B for 80 Marks.

Section-A : One compulsory question with 10 parts, having 2 parts from each unit, short answer in 30 words for each part. Total marks : 10x2=20

Section-B : Contents 10 questions, 2 questions from each unit, attempted 5 questions, by taking one from each unit, answer approximately in 500 words. 16x5=80

DCC - COURSE CODE RAJ- 5-01

बी.ए. राजस्थानी

सैमेस्टर – प्रथम (Semester - I Rajasthani)

आधुनिक राजस्थानी गद्य

Credit : 06

पाठ्यपुस्तकें एवं विशिष्ट अध्ययन

1. आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा
2. आधुनिक राजस्थानी गद्य विधाएं : संक्षिप्त परिचय – कहानी, उपन्यास, निबंध एवं अन्य विधाएं
3. भाषा–बोध एवं अनुवाद : राजस्थानी से हिन्दी और हिन्दी से राजस्थानी
4. आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्यकारों के व्यक्तित्व–कृतित्व संबंधित अध्ययन

पाठ्यपुस्तकें

1. **'उकरास' (राजस्थानी कहानी संग्रह) : (सं.) सांवर दइया**
(निर्धारित कहानीकार : **अन्नाराम सुदामा :** सूरज री मौत, **करणीदान बारहठ :** थै बारै जावो,
चेतन स्वामी : पुण्याई, **बैजनाथ पंवार :** हिरणी, **मनोहरसिंह राठौड़ :** सांढ, **माधव नागदा :** नीलकंठी,
यादवेंद्र शर्मा 'चंद्र' : काच रो चिलको, **रामकुमार ओझा 'बुद्धिजीवी' :** भारमली भाजी कोनी,
रामेश्वरदयाल श्रीमाळी : कांचळी, **विजयदान देथा :** राजीनांवो)
2. **राजस्थानी गद्य संकलन : (सं.) डॉ. कल्याण सिंह शेखावत**

(**निर्धारित पाठ – अणोर् अणीयान महतो महीयान :** नरोत्तमदास स्वामी, **रामजी भला दिन देवै** : डॉ. मनोहर शर्मा, **कलाकार बंधुवां सूं** : साने गुरूजी, **राखी रो त्यूंहार** : सौभाग्यसिंह शेखावत, **पूरण पुरुष कृष्ण** : सत्यप्रकाश जोशी, **गोगाजी रा घोड़ा** : डॉ. नेमनारायण जोशी, **म्हारी जापान यात्रा** : लक्ष्मीकुमारी चूंड़ावत, **सह–अस्तितव** : अन्नाराम सुदामा)

प्रश्न पत्र एवं अंक योजना

समय : 3 घण्टे पूर्णांक – 100

भाग – 'अ'

प्रश्न सं.–1 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नहीं कुल 10 प्रश्न : शब्द–सीमा 30 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न 10 X 2 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग–'ब' में 10 प्रश्न दिये जाएंगे जिनमें से कोई पांच प्रश्न हल करने होंगे। इन प्रश्नों में आन्तरित विकल्प नहीं होगा। शब्द–सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। प्रश्नों हेतु कुल 80 अंक निर्धारित हैं। निर्धारित पांचों इकाइयों में से एक प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

16X5 = 80 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–2 'उकरास' कहानी संग्रह (निर्धारित कहानियों के आधार पर सप्रसंग व्याख्या)

प्रश्न सं.–3 'उकरास' कहानी संग्रह (निर्धारित कहानियों के आधार पर सप्रसंग व्याख्या)

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–4 राजस्थानी गद्य संकलन (निर्धारित पाठों के आधार पर सप्रसंग व्याख्या)

प्रश्न सं.–5 राजस्थानी गद्य संकलन (निर्धारित पाठों के आधार पर सप्रसंग व्याख्या)

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–6 'उकरास' आलोचनात्मक प्रश्न (केवल निर्धारित कहानियों के आधार पर)

प्रश्न सं.–7 'उकरास' आलोचनात्मक प्रश्न (केवल निर्धारित कहानियों के आधार पर)

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–8 राजस्थानी गद्य संकलन आलोचनात्मक प्रश्न (केवल निर्धारित पाठों के आधार पर)

प्रश्न सं.–9 राजस्थानी गद्य संकलन आलोचनात्मक प्रश्न (केवल निर्धारित पाठों के आधार पर)

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–10 राजस्थानी गद्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा – संक्षिप्त परिचय – कहानी, उपन्यास एवं निबंध

प्रश्न सं.–11 अनुवाद – चयनित गद्यांश – हिन्दी से राजस्थानी (एक)
राजस्थानी से हिन्दी (एक)

पाठ्य पुस्तकें :–

1. उकरास (कहानी संग्रह) : (सम्पादक) सांवर दइया
   प्रकाशक : राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर
2. राजस्थानी गद्य संकलन (सं) डॉ. कल्याण सिंह शेखावत
   प्रकाशक : आनंद प्रकाशन : जोधपुर

अभिप्रस्तावित ग्रन्थ :–

1. राजस्थानी कहानी परम्परा – विकास : डॉ. अर्जुनदेव चारण, कवि प्रकाशन, बीकानेर
2. परम्परा (हेमाणी अंक) : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर

F F F F F

DCC - COURSE CODE RAJ- 5-02

बी.ए. राजस्थानी

सैमेस्टर – द्वितीय (Semester - II Rajasthani)

आधुनिक राजस्थानी पद्य साहित्य Credit : 06

पाठयपुस्तकें एवं अध्ययन क्षेत्र

विशिष्ट अध्ययन

1. आधुनिक राजस्थानी काव्य का इतिहास : विकास एवं परम्परा : (i) स्वतंत्रता पूर्व (सन् 1857 से 1947 तक)
   (ii) स्वातंत्र्योत्तर (सन् 1947 से अद्यतन)
2. काव्य शास्त्र : शब्द–शक्तियां एवं अलंकार – वैण सगाई
3. शब्द बोध : तत्सम एवं तद्भव शब्द।

पाठयपुस्तकें

1. **राजस्थान के कवि (राजस्थानी) : (सं.) रावत सारस्वत**
   (कवि क्रम : **कन्हैयालाल सेठिया** – गीत (1–3), **गणेशलाल व्यास 'उस्ताद'** – दीवट, घरे आजा, मत जा साथी पंथ पुराणै, **चन्द्रसिंघ** – गीत, बसंत, लू, बादळी, **नारायणसिंघ भाटी** – विरह, पासाण सुन्दरी, मूमल, **मेघराज 'मुकुल'** – माटी मुळकी बीज पसीज्या, छिंया तावड़ो, चंवरी, **रघुराजसिंघ हाडा** – गीत–बैरण होळी आगी, गीत–फागण आयो रे, **रेवतदान चारण 'कल्पित'** – राजस्थानी, बिरखा–बीनणी, **सत्यप्रकाश जोसी** – सोवन माछळी, अैरण बूझै रै घण बीर नै, **सुमनेस जोसी** – मरण पंथ रा पंथी।)
2. **मानखो : गिरधारी सिंह पड़िहार**

प्रश्न–पत्र एवं अंक योजना

समय : 3 घण्टे पूर्णांक – 100

भाग – 'अ'

प्रश्न सं.–1 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को समेटते हुए – कोई आन्तरिक विकल्प नहीं। कुल 10 प्रश्न : शब्द–सीमा 30 शब्द अधिकतम प्रति प्रश्न 10 x 2 = 20 अंक

भाग – 'ब'

भाग–'ब' में 10 प्रश्न दिये जाएंगे जिनमें कोई पांच प्रश्न हल करने होंगे। इन प्रश्नों में आन्तरिक विकल्प नहीं होगा। शब्द–सीमा प्रश्न के साथ अंकित है। प्रश्नों हेतु कुल 80 अंक निर्धारित हैं। निर्धारित इकाइयों में से एक प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

16 x 5 = 80 अंक

इकाई 1 :

प्रश्न सं.–2 'राजस्थान के कवि' (निर्धारित कवियों के आधार पर सप्रसंग व्याख्या)

प्रश्न सं.–3 'राजस्थान के कवि' (निर्धारित कवियों के आधार पर सप्रसंग व्याख्या)

इकाई 2 :

प्रश्न सं.–4 मानखो के आधार पर सप्रसंग व्याख्या

प्रश्न सं.–5 मानखो के आधार पर सप्रसंग व्याख्या

इकाई 3 :

प्रश्न सं.–6 'राजस्थान के कवि' (केवल चयनित कवि) के आधार पर आलोचनात्मक प्रश्न

प्रश्न सं.–7 'राजस्थान के कवि' (केवल चयनित कवि) के आधार पर आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 4 :

प्रश्न सं.–8 'मानखो' के आधार पर आलोचनात्मक प्रश्न

प्रश्न सं.–9 'मानखो' के आधार पर आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई 5 :

प्रश्न सं.–10 शब्द–शक्ति : अभिधा, लक्षणा, व्यंजना–अलंकार, वैण सगाई – सामान्य परिचय

प्रश्न सं.–11 तद्भव शब्दों के तत्सम रूप – (10 शब्द)

<u>पाठ्य पुस्तकें</u>

1. राजस्थान के कवि (राजस्थानी) : (सं.) रावत सारस्वत

   प्रकाशक : राजस्थानी भाषा साहित्य संगम (अकादमी), बीकानेर

2. मानखो : गिरधारी सिंह पड़िहार

   प्रकाशक : पड़िहार प्रकाशन, कोरियों का मौहल्ला, बीकानेर

<u>अभिप्रस्तावित ग्रंथ</u>

1. राजस्थानी साहित्य : डॉ. मोतीलाल मेनारिया

   प्रकाशक : साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

2. राजस्थानी भाषा और साहित्य का इतिहास : सीताराम लालस

   प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर

3. आधुनिक राजस्थानी साहित्य : प्रेरणा, स्त्रोत और प्रवृत्तियां : डॉ. किरण नाहटा

   प्रकाशक : चिन्मय प्रकाशन, जयपुर

4. रामनाथ कविया : डॉ. मनोहर शर्मा

   प्रकाशक : साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

5. समकालीन राजस्थानी काव्य : संवेदना अर सिल्प : कुन्दन माली

6. बगत री बारखड़ी : डॉ. अर्जुन देव चारण,

   प्रकाशक : कवि प्रकाशन, बीकानेर

F F F F F